भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2756
19/12/2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

भूकंप का पूर्वानुमान

2756. श्री केसरीदेवसिंह झाला:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या भूकंप के पूर्वानुमान के लिए कोई आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली मौजूद है;
(ख) यदि हां, तो इसका पूर्वानुमान कितनी सटीकता से लगाया जा सकता है;
(ग) क्या सरकार ने भारतीय वैज्ञानिकों/ इसरो से भूकंप पूर्वानुमान प्रणाली के लिए अनुसंधान करने का आग्रह किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या सरकार ने इस मुद्दे पर संयुक्त रूप से कार्य करने के लिए अन्य देशों के साथ कोई समझौता किया है?

उत्तर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) से (घ) वर्तमान में, विश्व में कहीं भी कोई भी ऐसी प्रामाणिक वैज्ञानिक तकनीकी उपलब्धि नहीं है, जो स्थान, समय एवं परिमाण सम्बन्धी उचित सटीकता के साथ भूकम्प की घटनाओं का पूर्वानुमान प्रदान कर सके। किसी भी देश के पास भूकंप की घटना का पूर्वानुमान करने की क्षमता नहीं है।

तथापि, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) के अंतर्गत राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NCS) देशभर में 166 स्टेशनों के राष्ट्रीय नेटवर्क की मदद से देश में भूकंपीय गतिविधि की निगरानी करने के लिए नोडल एजेंसी है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NCS) नियमित रूप से अध्ययन संचालित करता है, तथा भूकंप डेटा का विश्लेषण करने के लिए भूकंपीय नेटवर्क का रखरखाव करता है, तथा उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरों के विभिन्न हितधारकों को यह सूचना प्रसारित करता है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NCS) द्वारा देशभर में पता लगाए गए एवं रिपोर्ट किए गए भूकंपों का विवरण NCS की वेबसाइट (seismo.gov.in) पर उपलब्ध है।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र – पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय भूकंप संबंधी पूर्व चेतावनी प्रणाली के बारे में उन्नत अनुसंधान भी करता है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र – पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अतिरिक्त भूकंपीय स्टेशनों की स्थापना करने के माध्यम से भूकंप निगरानी को सुदृढ़ बनाने पर भी काम कर रहा है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) की बोरहोल जियोफिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी (BGRL) भी भारत की इंडीरियर प्लेट की न्यूक्लियेशन प्रक्रियाओं एवं भूकंप उत्पत्ति को समझने पर काम कर रहा है।